हिंदी विभाग, हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

हिंदी विभाग के अंतर्गत गद्य, काव्य ,काव्यशास्त्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, आलोचना, समालोचना अस्मितामूलक संघर्ष ,साहित्यिक अवधरणा, साहित्यिक इतिहास विमर्श, व्यंग्य, कहानी, नाटक सभी विधाओं को जानने समझने का दृष्टिकोण मिलता है। हिंदी मात्र भाषा नही साहित्य है जिसमें समाज और राष्ट्र के सभी के राजनैतिक, सामाजिक ,आर्थिक, धार्मिक, नैतिक मूल्यों, मनोवैज्ञानिक, जैसे महत्वपूर्ण आयामों के विश्लेषण का आधार मिलता है, इतना ही नही हिन्दी ही वह भाषा है जो न केवल स्वतन्त्रता संग्राम की आवाज़ बनी बल्कि उसने ही अपनी ताकत पर संपूर्ण राष्ट्र को एक छत्र किया। संस्कृति के वैभवशाली पृष्ठों को खंखाले तो संत काव्य-परम्परा, रीतिकाव्य सौंदर्य,और आधुनिककाल ने मनुष्य हृदय के किसी भी भाव और विचार को अछूता नही छोड़ा। हिंदी विशेष के विद्यार्थी सम्वेदना और तर्कशीलता की कसौटियों को जांचते परखते हैं। इन्ही विद्यार्थियों में लेखक , कवि, विचारक, भाषाविद पलते हैं।

पाठ्यक्रम प्रस्ताव:

1. बीए० (विशेष) हिंदी
2. बीए० (विशेष) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार
1. एमए० हिंदी

1

पाठ्यक्रम परिणाम:

हिंदी भारत की लगभग 41 प्रतिशत आबादी की मातृभाषा है। इसमें 1000 से अधिक वर्षों का इतिहास है और एक समृद्ध साहित्यिक परंपरा है। भारत ने स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष के दौरान राष्ट्रीय एकीकरण पर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आजादी के बाद हिंदी को गणराज्य की आधिकारिक भाषा घोषित किया गया था। हम कह सकते हैं कि हिंदी राष्ट्रीय चरित्र की भाषा है। विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली हिंदी भाषा और साहित्य पाठ्यक्रम इस विषय से व्यावहारिक और सैद्धांतिक ज्ञान का सही मिश्रण है। पाठ्यक्रम स्नातक छात्र पूरा करने के बाद पूरी दुनिया में भारतीय दूतावास में अनुवादक, राजाभाषा अध्याकारी, शिक्षक, भाषा, विशेषज्ञ के रूप में सरकारी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। भारत में स्नातक छात्र स्क्रिप्ट लेखक, संपादक, एंकर, रेडियो जॉकी, रिपोटर, फीचर लेखक, पीआर कार्यकारी आदि के रूप में काम कर सकते हैं। छात्र उच्च शिक्षा में करियर भी बनाते है।अनुवादक की बढ़तीं माँग इस विषय के महत्व को दर्शाती है।हिंदी कोर पाठ्यक्रम (HCC)

सत्र- 1

HCC-1: 'हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास'

लोगों का मुख्य उद्देश्य इतिहास और हिंदी भाषा के क्षेत्रीय विस्तार और देवनागरी लिपि के विभिन्न आयाम के बारे में जानकारी देने के लिए है।

HCC-2: हिंदी कविता (आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य)

साहित्य में कविता इस अवधि का मुख्य आधार और आदिकाल से भक्तिकाल तक रही है। इस पेपर में- 'हिंदी कविता (आदिकलीन से भक्तिकालीन कविता)' छात्र रीतिकाल से पहले की कविता का अध्ययन करते हैं। इसके

अध्ययन के माध्यम से छात्र उस समय समाज की विभिन्न स्थितियों को जानते हैं। अपने युग के साहित्य में, राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक हालत स्पष्ट रूप से या प्रतीकों में व्यक्त की गई है।

सत्र-2

HCC-3: हिंदी साहित्य का इतिहास(आदिकाल और मध्यकाल)

पेपर प्राचीन अवधि, प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों और प्राचीन और मध्ययुगीन कविता की सामान्य विशेषताओं ,रचनाकारों और सामाजिक स्थिति को दर्शाता है।

HCC-4: हिंदी कविता (रीतिकालीन काव्य)

मध्यकालीन काव्य परंपरा का और रीतिकाल के मुख्य कवियों की सामान्य विशेषताओं का ज्ञान इसके माध्यम से किया जाएगा। इस समय भक्ति, निति और वीरता के कई अच्छे कवि हैं। जो मध्ययुगीन प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सत्र-3

HCC-5: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिकाल)

पाठ्यक्रम का लक्ष्य हिंदी साहित्य के इतिहास को समझना है- स्वतंत्रता आंदोलन का विकास और पुनर्जागरण चेतना। हिंदी गद्य साहित्य की रूपरेखा के बारे में बतलाना।

HCC-6: हिंदी कविता (आधुनिकाल छायावाद तक)

पेपर का उद्देश्य छात्रों को मैथिली शरण गुप्ता, जय शंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, रामधारी सिंह दिनकर, सुभद्रा कुमारी चौहान और सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याओं के प्रति जागरूक महान रचनाकारों के विषय में बतलाना है।

HCC-7: हिंदी कहानी

इस पेपर का मूल उद्देश्य छात्रों को आधुनिक गद्य विधा में कहानी की सार्थकता को बतलाना हैं।इस पेपर के माध्यम से छात्र तत्कालीन परिस्थितियों को प्रासंगिक यथार्थ से जोड़ने की समझ पैदा करने में समर्थ होते हैं।

HCC-8: भारतीय काव्यशास्त्र

इस पेपर का मूल उद्देश्य छात्रों को भारत के कविताओं की समृद्ध परंपरा को समझना है। पेपर रस, ध्वनि,शब्द शक्ति ,काव्य गुण दोष और अलंकार आदि के विभिन्न आयामों से परिचित कराते हैं।

HCC-9: हिंदी कविता (छायावाद के बाद)

इस पेपर का उद्देश्य अज्ञेय, नागार्जुन, धूमिल, अरुण कमल और अन्य महान आधुनिक हिंदी कवियों की रचनाओं को पेश करना है।कविता की मूल सम्वेदना की वैचारिक चिंतनशीलता से अवगत कराना है।

HCC-10: हिंदी उपन्यास

यह पत्र हिंदी उपन्यास का एक अध्ययन है और प्रश्न पत्र चर्चा में प्रेमचंद, जैनेंद्र कुमार, यशपाल और मनु भंडारी जैसे महान हिंदी उपन्यासकारों के काम पर विस्तार से चर्चा की गई है।

HCC-11: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इस पत्र ने छात्रों को पश्चिमी साहित्यिक, सिद्धांतों और हिंदी साहित्य पर उनके प्रभाव के साथ दर्शाया है। प्रसिद्ध दार्शनिक, विचारकों और लेखक के साहित्य के बारे में विचारधारात्मक दृष्टिकोण इस पत्र के मूल भाग हैं।

HCC-12: हिंदी नाटक/ एकांकी

इस पत्र में आधुनिक हिंदी नाटक और एकांकी मुख्य रूप से स्वतंत्रता युग (हिंदी साहित्य का आधुनिक युग) में लिखा गया है।जिसको पढ़ने का उद्देश्य नाटक की विधा उसके मंचीय सम्प्रेषण से अवगत कराना ही।

HCC-13: हिंदी आलोचना

इस प्रश्न पत्र में हिंदी आलोचना के आधार और विकास के द्वारा छात्रों में समलोचक दृष्टि का विकास करना ही । यह हिंदी आलोचकों के विभिन्न दृष्टिकोण और हिंदी साहित्य में उनके योगदान को भी समझाता है।

HCC-14: हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ

यह पत्र हिंदी निबंध और आत्मकथा, यात्रा, व्यंग्य, रेखाचित्र संस्मरण इत्यादि जैसे गद्य के अन्य साहित्यिक रूपों पर आधारित है।जिसमें व्यंग्यात्मक शैली की अनूठी पहचान विद्यार्थियों को गद्यात्मक शैली में मिलती है।

HDSEC-6.3(a) : हिंदी की भाषिक विविधताएं

इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत भारत की विभिन्न भाषाओं से हिंदी का सम्बंध और भ भाषा की विविधताओं से छात्रों को अवगत कराया जाता है।जिससे वे राष्ट्रभाषा के महत्व को जान पाते हैं।

HDSEC- 6.3(b): भारतीय साहित्य पाठ्यपरक अध्ययन

भारतीय साहित्य के इतिहास के सभी आयामों को समेट कर पाठ परक अध्ययन करना ही इस प्रश्न पत्र का विषय है जिससे छात्र भारतीय साहित्य के विमर्श के सभी पक्षों को समझ सके।

HDEC-6.4(a):अवधारणात्मक साहित्यिक पद

इस प्रश्न पत्र में छात्र साहित्य की अवधारणा-मूलक दृषिटकोण से परिचित होता है।साहित्य को विभिन्न दृष्टियों से अमजद सकने में समर्थ बनता है।

HDSEC-6.4(b): हिंदी रंगमंच

यह पत्र भारतीय शास्त्रीय और आधुनिक हिंदी रंगमंच दोनों के मूल और विकास की व्याख्या करता है। यह प्रसिद्ध रंगमंच व्यक्तित्वों और उनकी विभिन्न शैलियों के योगदान को भी स्पष्ट करता है।

हिंदी कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम(HSEC)

HSEC-3.3: सोशल मीडिया

पेपर का उद्देश्य वैश्विक संदर्भ में ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम इत्यादि जैसे सोशल मीडिया के महत्व और उद्देश्य को समझाना है।

HSEC-4.3:कार्यालयी हिंदी

सत्र-1, 3 और 5

हिंदी में अनिवार्य परीक्षा(C.T.H)

यह राष्ट्रभाषा न जानने वाले छात्रों के लिए एक अनिवार्य पत्र है जिन्होंने 8 वीं कक्षा तक हिंदी का अध्ययन नहीं किया है। इस पत्र का उद्देश्य छात्रों को हिंदी में कुशल बनाना है ताकि वे अपने दैनिक जीवन में हिंदी का उपयोग कर सकें।

B.COM(program) के लिए हिंदी

यह प्रश्न पत्र उस छात्र को दिया जाता है जिसने 12 वीं की हिंदी भाषा का अध्ययन किया है और आगे भी साहित्य को पढ़ने के इच्छुक है।पेपर ने वाणिज्य छात्रों को मातृभाषा से जुड़े रहने का अवसर दिया है ।हिंदी के विभिन्न रूप और भारतेन्दु , प्रेमचंद, हजारी प्रसाद द्विवेदी, मोहन राकेश, महादेवी वर्मा जैसे प्रसिद्ध लेखक है।

हिंदी B- यह पत्र उन छात्रों को दिया जाता है जिन्होंने 10 वीं कक्षा तक हिंदी भाषा का अध्ययन किया है। इस पेपर ने आधुनिक युग के माध्यम से छात्र को गद्य का इतिहास समझने की क्षमता का विकास किया जाता है।

हिंदी C-यह पत्र उन छात्रों को दिया जाता है जिन्होंने 8 वीं कक्षा तक हिंदी भाषा का अध्ययन किया है। इस पत्र का उद्देश्य हिंदी कविता, विशेष रूप से भक्ति और रीतिकलीन कविता के इतिहास के गहन ज्ञान प्रदान करना है।

क्षमता वृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम (AECC)

परीक्षा का नाम - 'हिंदी भाषा और सम्प्रेषण'

'हिंदी भाषा और सम्प्रेशन' हिंदी भाषा का एक कोर्स है। इस पेपर का उद्देश्य छात्रों की कार्यकुशलता और भाषाई कौशल को बढ़ाने के लिए है। यह कोर्स निश्चित रूप से उपयोगी है। आज के जीवन के हर क्षेत्र में वाणिज्यिक, अकादमिक, सामाजिक या राजनीतिक दृष्टि से कुशल संचार सफलता का मूल है। इसका महत्व प्रगतिशील रूप से बढ़ रहा है।